an>

title: Regarding alleged Snooping and invasion of privacy of a Member of Parliament by Delhi Police.

*m01

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे **(गुलबर्गा) :** अध्यक्ष महोदया, मैंने सुबह एक नोटिस दिया था और मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने जीरो ऑवर में उसे उठाने की मुझे अनुमति दी है। एडजर्नमैन्ट मोशन के नाते मैंने सदन में जो एक नोटिस दिया था, उसमें विषय यह था - Snooping and evasion of privacy into the life of Shri Rahul Gandhi by Delhi Police on two inferences in March 2, and March 14, 2015. This is a clear case of political espionage and goes against the democratic values and undermines an individual's right to privacy as granted by the Constitution.

यह जो विषय हमने प्रस्तावित किया है, इसके बारे में पेपर में भी बहुत चचा हो रही है। इसके तहत बहुत से स्टेटमेंट भी आ गए हैं। मैडम, मैं आपके माध्यम से सरकार को यह कहना चाहता हूँ कि भारत एक स्वतंत्र देश है और एक गौरवशाली लोकतंत्र है। लेकिन आज सवाल यह उठ रहा है कि क्या कोई भारतीय आज इस सरकार के सामने स्वतंत्र है या नहीं हैं? ...(व्यवधान) क्या हमारा भारत एक पुलिस राष्ट्र हैं? क्या यह पुलिस स्टेट हैं? क्या यहां पर डैमोक्रेसी हैं? ...(व्यवधान) मंत्री भी स्वतंत्र नहीं है। यह स्थिति है। किसी भी भारतीय पर पुलिस द्वारा बिना वजह के निगरानी रखना गैरकानूनी है। We always take pride in the fact that this is the largest democratic country in the world. लेकिन इसको क्षति पहुंच रही है और हर जगह से कैसा हो रहा है, मैं बता रहा हूँ, फिर बाद में आप रिएक्ट कर सकते हैं। मैडम, मैं आपके नोटिस में लाना चाहता हूँ। यह मामला सिर्फ राजनीतिक जासूसी का ही नहीं है, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त राइट टू प्राइवेसी का भी हनन है। विगत 2 मार्च को राहुल गांधी जी की सुरक्षा में लगी एसपीजी के स्टाफ ने दिल्ली पुलिस के एक एएसआई को संदिग्ध, सस्पीशियस हालत में उनके आवास के बाहर पकड़ा। पकड़े जाने पर दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने यह सफाई दी कि एक रूटीन प्रोफार्मा को भरने के लिए पुलिसकर्मी वहां गए थे। The Commissioner has said that it was a routine activity carried out to maintain records of vulnerable personalities. मैं यह पूछना चाहता हूँ कि एक तो है कि 2 मार्च को जो गए थे, जिनका नाम है *â€¦* *

माननीय अध्यक्ष **:** नाम नहीं जाएगा, कोई भी गया हो।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे **:** जिनका नंबर - 28820025 है, उसके बाद 12 मार्च को तो यह रूटीन जो पुलिस का बीट होता है, उसके बारे में किसी की आपत्ति नहीं है। क्योंकि जो रूटीन में बीटिंग होती है, वह हर जगह होती है और लॉ एण्ड ऑर्डर को मेंटेन करने के लिए सारी जगह होता है। लेकिन 14 तारीख को एक बार फिर एसीपी और दूसरे अधिकारियों ने वहां के अफसरों से मुलाकात की और 7 मिनिट बातचीत करने के बाद वे निकल गए। तो ये 2 और 14 तारीख को क्यों गए थे, क्या वजह थी? प्रोफार्मा है तो आज मैंने इस प्रोफार्मा के तहत श्री वीरप्पा मोइली जी को पूछा कि आपके पास आए थे? आपने कोई प्रोफार्मा भरा? उन्होंने कहा कि नहीं? फिर उसके बाद मुझे श्रीमती सोनिया गांधी जी को पूछना पड़ा कि क्या उनके पास यह प्रोफार्मा आया था, उन्होंने कहा नहीं। के.सी. चंद्रशेखर जी, जो तेलंगाना के नेता हैं, उनके पास भी गया और श्री आडवाणी जी, जो बीजेपी के सर्वश्रेष्ठ नेता हैं और हमको गौरव है कि उनके पास भी गए थे, शायद उन्होंने साइन किया या नहीं किया, यह मुझे मालूम नहीं है। जितने भी आप नाम देखेंगे या तो विरोधी पक्ष के लोगों के नाम कमिश्नर ने लिए या उनके बारे में कहा, आडवाडी साहब बीजेपी के एक बहुत बड़े नेता हैं, लेकिन शायद इधर-उधर *â€¦* *

माननीय अध्यक्ष **:** खड़गे जी, आप पर्सनल कमेंट्स नहीं करेंगे। आप समझदार हैं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** मैंने बोल दिया है कि इसको कार्यवाही से निकाल दिया जाएगा।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे **:** वह हो सकता है। ...(व्यवधान) ऐसी जो आदत है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** खड़गे जी, अब आपकी बात पूरी हो गई है। इतना लंबा भाषण नहीं देना है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे **:** उस प्रोफार्मा में नाम का कॉलम है, पिता का नाम, माता का नाम, जन्म-स्थान, उम्र, जन्म के समय का चिन्ह, रंग, बालों और आखों का रंग, कद, चेहरे का विवरण, शरीर की कोई विकृति, जूते का साइज, वे कब आते हैं और कब घर से जाते हैं, उनके करीबी दोस्तों के नाम और उनके फोन नंबर, ये सारे प्रमाण बताने के लिए हैं। किसके आदेश पर यह दिया गया है, कौन इसके पीछे हैं?...(व्यवधान)

दूसरी चीज, यह सब जो जैसे जूते की साइज क्या है, क्या मैनुफैक्चर करके देने वाले हैं? ...(व्यवधान) मैं पूछना चाहता हूँ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** प्लीज, रिपीट नहीं करें। Please conclude now.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे **:** राहुल जी को एसपीजी का प्रोटेक्शन है। जब एसपीजी का प्रोटेक्शन है, तो उनके क्षण-क्षण की इन्फार्मेशन सरकार के पास होती है। एसपीजी के पास उनकी सब इन्फोर्मेशन रहने के बाद, उनकी प्रोटेक्शन रहने के बाद, किस वजह से यह प्रोफार्मा वहाँ भेजा गया और कौन वह*â€¦* * है, क्यों कमिश्नर ने आदेश दिया और कमिश्नर को किसने आदेश दिया, यह हम जानना चाहते हैं। दो पूर्व पुलिस कमिश्नर्स ने इसके बारे में स्पष्टता के साथ कहा है।

माननीय अध्यक्ष **:** आपकी बात हो गई है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे **:** उन्होंने यह कहा कि हमारे कार्यकाल में ऐसा कुछ नहीं हुआ और यह असत्य है। ऐसा अगर मैं पढ़ूँ तो फिर आप गुस्से में आ जाएंगी।

माननीय अध्यक्ष **:** मुझे कोई दिक्कत नहीं है।

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : It is the height of idiocy never done in our tenure. उन्होंने यह कहा। Two former Delhi Police Commissioners have told that activity like survey of MPs or proforma as given to the office of Rajiv Gandhi was never done in their tenure and termed the entire exercise as the height of idiocy. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष **:** अब आप इसे इतना लम्बा मत खींचिए।

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT, MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Madam, it is not appropriate on the part of a senior MP like Shri Khargeji to make allegations against those people. ...(*Interruptions*) It should not go on record. They are not present here.

माननीय अध्यक्ष : ऐसे पढ़कर नहीं बोला जाता है।

â€¦(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : The Ministry of Home Affairs has sought a report from the Delhi Police ...(*Interruptions*)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : महोदया, आपने जीरो ऑवर में अलाऊ किया है।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions) â€¦ *

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, ऐसे पढ़कर नहीं सुनाते हैं। आई ऐम सॉरी। आप बैठिए। यह क्या बात है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं बोल रही हूँ कि अब नहीं, आपने मामला उठाया, लेकिन ऐसे किसी का पेपर पढकर नहीं सुनाते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मैं जानना चाहता हूँ कि जो दो पूर्व पुलिस कमिश्नर गुप्ता और वेद मारवाह हैं, इन दोनों ने डिनाई किया है कि ऐसी चीज कभी नहीं हुई। वीवीआईपी के लिए पहली बार ऐसा हो रहा है।...(व्यवधान) मोदी सरकार में क्या यह गुजरात मॉडल है, यह मैं पूछना चाहता हूँ।...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : गुजरात इन्डिया में है।...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: यह इन्डिया मॉडल नहीं है। गुजरात में ऐसा होता था।...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : गुजरात इन्डिया में है।...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: वही प्रैक्टिस यहाँ करना चाहते हैं।...(व्यवधान) वैसे ही पॉलिटिकल अपोनेन्ट्स को आप खत्म करना चाहते हैं।...(व्यवधान) विरोधियों को दबाना चाहते हैं। विरोधियों को डराना चाहते हैं।...(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Madam, this is totally unfair. He is not willing to hear the response of the Government. ...(*Interruptions*)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : यह सवाल सिर्फ हमारी पार्टी के उपाध्यक्ष का नहीं है, सारी अपोजिशन पार्टियों के नेताओं के और सारे जो भी उनके विरोधी हैं।...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : बाद में उनको नुकसान होगा। सच सामने आया तो उनको नुकसान होगा।...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : उन सबके बारे में ऐसा चल रहा है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप ऐसा मत कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैं यह पूछना चाहता हूँ। एक मिनट, मैं बोल रहा हूँ।...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : महोदया, जीरो ऑवर में बोलते हुए इनको 15 मिनट हो गए हैं।...(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : Why is he so excited? मैं अपनी बात कम्प्लीट कर रहा हूँ।...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : मुझे कोई प्रॉब्लम नहीं है।...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैं आउट ऑफ कान्टेक्स्ट नहीं कर रहा हूँ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपने बोल दिया है। आपकी सब बातें रिकॉर्ड में आ गई हैं।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : इसमें हमें जो इन्फार्मेशन मिली है कि डेमोक्रेसी में ऐसा कभी नहीं हुआ है।...(व्यवधान) इंटरनेट पर उनकी पूरी इन्फार्मेशन रहती है। आप हू इज हू एक किताब छपाकर सबको बाँटते हैं। मेरी विनती है कि उस पुलिस कमिश्नर को भी वह हू इज हू किताब दीजिए। उसमें सब जानकारी मिलती है कि कहाँ पैदा हुए, कहाँ से आ गए, उनके जन्म की तारीख क्या है।

माननीय अध्यक्ष : अब बस कीजिए।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : माता-पिता का नाम क्या है, सभी चीजें उसमें मिलती हैं।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Please conclude now.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : आपकी इस किताब में जूते का साइज नहीं दिया है, अगर वह उसमें इंक्लूड करके उन्हें दिया तो पूरी जानकारी उनको मिल जाएगी।...(व्यवधान) अभी मेरी बात रह गई है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बार-बार एक ही चीज को मत बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: आप वर्ष 1957 की बात कर रहे हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, यह चर्चा नहीं हो रही है। आपको मुद्दा उठाने का समय दिया है। आप कितनी देर बोलेंगे। आपका इश्यू समझ में आ गया है।

...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : महोदया, यह मामला बहुत सीरियस और महत्वपूर्ण है।...(व्यवधान) यह हमारे लिए नहीं, उनकी सुविधा के लिए भी मैं बोल रहा हूँ। उनमें से कई लोगों की भी टेलीफोन टैपिंग हो सकती है या जासूसी कर सकते हैं। पोलिटिकल लीडर्स के लिए नहीं, लेकिन उनकी पार्टी के लोगों को भी मिला होगा। गुजरात में ऐसा ही हुआ। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब आप बैठिये। आपने इश्यू उठा लिया है। वेंकैया जी आप बोलें।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात हो गई है। Now you listen to him.

...(*Interruptions*)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : आदरणीय अध्यक्ष जी, हमको इस विषय में स्पष्टीकरण देने के लिए ...(व्यवधान) आपने जो भी बोलना है, बोल दिया है। ...(व्यवधान) ऐसा आरोप करना उचित नहीं है। कितना समय बोलेंगे? 15 मिनट बोल चुके हैं। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Please listen to what he is saying. The Home Minister is not here. First listen to him and then say what you want to say.

...(*Interruptions*)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : खड़गे जी बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं। ...(व्यवधान) सुरेश जी, आप बैठिये। ...(व्यवधान) खड़गे जी ने एक विषय ज़ीरो आवर में उठाया, स्पीकर महोदया ने आपको अनुमति दी, हमें कोई आपत्ति नहीं है। किसी व्यक्ति या किसी पार्टी को टार्गेट बनाकर यदि ऐसा हो रहा है तो उसके बारे में सचमुच में हम लोगों को गंभीरता से सोचना चाहिए। मेरी विनम्र प्रार्थना है कि यह काम आज़ादी के बाद से ही हो रहा है। अभी तक जो जानकारी है, उसके हिसाब से Five hundred and twenty-six VIPs and VVIPs including the present Prime Minister, including the former Prime Minister, including the BJP President, and including the President of the country today who was the Finance Minister earlier, have all been profiled earlier also. ...(*Interruptions*)

It is a procedure started in 1957 by the Delhi Police. The pro-forma for collating information was revised in 1999 to maintain profiles of senior leaders living in Lutyens' Delhi. Everybody including the Congress President was also profiled in 1998 and 2004, five years after the UPA came into power also, and the last time in 2012; in between, her profile was updated thrice. The former Prime Minister Shri Vajpayee was also profiled in 1996 last. He is seriously unwell. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप 15 मिनट बोले तो किसी ने कुछ नहीं बोला। Now you will have to listen.

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : यह क्या केवल इनका विषय जैसा है? ...(व्यवधान) Sometimes, the truth will be unpalatable but we cannot help it. खड़गे जी, आप इतने अनुभवी हैं, इतना पेशेन्स आपको होना चाहिए। हमने पचास साल पेशेन्स दिखाया। ...(व्यवधान)

The President Pranab Mukherjee was first profiled in 2001 and last in 2010 when he was a part of the UPA Cabinet. The others who were profiled since the proforma was revised include Shri Advaniji in 2011 when there was no NDA Government; the External Affairs Minister Shrimati Sushma Swaraj in 2013 when she was the Leader of the Opposition; the Finance Minister Shri Arun Jaitley in 2009; and the former Prime Ministers Shri Deve Gowda and Shri Gujral in 2011. ...(*Interruptions*)

I can share with you that when I was a Member of the Opposition these people came and asked me some questions. They have with them my signature also answering all those questions. ...(*Interruptions*) I thought, as Shri Kharge was saying, it was a routine inquiry about the Opposition people. When I became a Minister, the same officers again came and the same questions were asked. ...(*Interruptions*)

They said it was a periodical inquiry and they tried to update the information. They also asked me who my frequent visitors were. मैंने कहा आपका क्या लेना-देना। They said, 'Sir, we have to keep track of the security aspect. Are there any suspects roaming around in front of your house?' That was also a question asked to me. ...(*Interruptions*)

The Delhi Police, between 2011 and 2013, have profiled people including the then Chief Minister Shrimati Sheila Dikshit; the Congress President's Political Secretary, my friend, Shri Ahmed Patel; the former Defence Minister, another griend and great person, Shri George Fernandes. ...(*Interruptions*)

All these details were collected from time to time. In 1999, the proforma was revised. In 12 sections under descriptive role, the Delhi Police seek details on ten points such as dress including shoes usually worn by the individuals. They are saying, 'What is this, silly?' It may look silly. ...(*Interruptions*)

I have a paper with me. A questionnaire was sent to Shri Atal Bihari Vajpayee. A question was, 'What sort of *chappals* do you wear?' His answer was, 'I wear ordinary *chappals, dhoti* and *kurta*'. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: It is okay.

...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: They should know what kind of language is used. A wrong message is going. ...(*Interruptions*)

Another question is 'What is the colour?' It is of wheatish colour. The former Prime Minister of India, who is one of the noted parliamentarians, was asked these things. The same things were asked about Sonia ji. The same proforma was given to Sonia ji also and she or her Secretary might have filled it up. I do not go into these details.

So, this is a routine exercise taken up by the police. This has nothing to do with this or that model. It has become a fashion every time to bring Gujarat into discussion. Gujarat is our pride. It is making advancement in every section. I am not able to understand what is wrong in that. Madam, I have the details of the proforma. If he needs it, I can go to Kharge ji, because he is senior to many of us, and show to him the profiles – of his Party Chief, former Prime Minister Shri Manmohan Singh, our leaders Shri Atal Bihari Vajpayee, Shri Advani and all, prepared and signed by those people.

Madam, they are trying to make an issue out of a non-issue. There is no question of keeping surveillance at all. My Government do not believe in making any surveillance against anybody. It is a routine exercise taken up by the police as part of their duty. We should not cast aspersions and drag the names of the officers who are not here to defend themselves. I hope that the Congress Party understands that by raising this issue it is not going to help them but it will only be a self goal.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मैडम, उसके प्रोफॉर्मा के बारे में आपने एक्सप्लानेशन दिया। मैंने यह खुद ही कहा है, लेकिन 2 और 14 तारीख को आपके अफसर वहां क्यों आए थे? उनका क्या उद्देश्य था, मैंने यह पूछा है। जब मैंने यह पूछा तो आपने उसके बारे में जवाब नहीं दिया। यह ठीक है कि इसके लिए एक प्रोफॉर्मा है और उस पर सिग्नेचर करके देना है।...(व्यवधान) लेकिन मैं पूछ रहा हूं कि आपके अफसर वहां दो दिन गए तो वे वहां किस मक़सद से गए थे? वे क्यों गए थे?...(व्यवधान) यह होम मिनिस्टर भी बता सकते हैं।...(व्यवधान)

मैडम, मैं आपके थ्रू विनती करता हूं कि होम मिनिस्टर जी को यह कहने दीजिए कि ऐसी प्रथा यहां थी और इसलिए ऐसा करते हैं। मैं चाहता हूं कि होम मिनिस्टर इसे क्लैरिफाई कर दें। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज़, बैठिए।

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: It is enough Kharge ji.

THE MINISTER OF FINANCE, MINISTER OF CORPORATE AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI ARUN JAITLEY): Madam, Kharge ji has raised an important issue. My senior colleague Shri Naidu has answered it. This is a security matter. Let us not trivialize or politicize a security matter.

A practice has been going on from 1957. In 1987 a form was devised when Congress was in power. In 1999 it was revised. None of us is a security expert. Why should they know the marks on our body? Are we aware of the fact that the body of a former Prime Minister of this country, who was assassinated, was identified by his shoes and the footwear that he was wearing? Therefore, what kind of a shoe we wear may look funny to the Congress Party today but it is relevant for security purposes. Which particular part of your body has a mole and whether you have a mustache or not may sound very funny but from security point of view these details are necessary.

Were these details being collected during the period between 2004 and 2014? I have personally seen all those forms. It is no point discussing those forms because a lot of personal details are being given. The then Prime Minister, Dr. Manmohan Singh's form, Mrs. Sonia Gandhi's form at least four times every two years was being revised by the police itself. What kind of a dress you wear, what are the places you go for walks or other recreational activities, are the personal details and the Security people keep a profile of it. If it is snooping they will do it on the sly. If they come to your house and ask you to fill up the details, it is not snooping. It is for security purposes. I can understand you are short of issues but do not invent an issue which does not exist.â€¦ (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Kharge ji, discussion is not going on. It is okay now.

12.29 hrs

MATTERS UNDER RULE 377*

HON. SPEAKER: Matters under Rule 377 shall be laid on the Table of the House. Members may personally hand over text at the Table of the House as per practice.